Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—9108

PAPER—II

Time : 1¼ hours]

PRAKRIT

[Maximum Marks : 100

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT
प्राकृत
PAPER – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पन्नासा** (50) बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति। पत्तेगं पण्हं **दुबे** (2) अंकस्स अत्थि। **सब्बाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति।

1. Actual meaning of the word 'प्राकृत' is :

'प्राकृत' शब्द का वास्तविक अर्थ है :

'प्राकृत' सद्दस्स वत्थुवरगं अत्थं अत्थि :

(A) स्वाभाविक भाषा (B) नवीन-भाषा

(C) असंस्कृत-भाषा (D) गौण-भाषा

2. Teachings of Bhagawan Mahavira was compiled in this language :

भगवान् महावीर के उपदेश इस भाषा में संकलित हुये हैं :

भगवंतस्स महावीरस्स उवदेसं इमीए भासाए संकलिदं :

(A) छांदस (B) संस्कृत

(C) द्राविड (D) प्राकृत

3. Generally Ardhamagadhi Prakrit belongs to this century :

प्राय: अर्धमागधी प्राकृत इस शताब्दी की भाषा है :

अद्धमागही पाइय भासा पायेण इमीए सदीए भासा अत्थि :

(A) चतुर्थ शताब्दी ई.

(B) छठी शताब्दी ई.

(C) ईसा-पूर्व तीसरी शताब्दी

(D) दूसरी शताब्दी ई.

4. Mahārāṣṭri Prakrit language is used in this text :

महाराष्ट्री प्राकृत भाषा इस ग्रंथ में प्रयुक्त हुई है :

महारट्ठी पाइय भासा इमे गंथे पजुत्ता :

(A) गाहासत्तसई

(B) समयसार

(C) महापुराणु

(D) महाबंध

5. Prominent poet in Apabhramsha language is :

अपभ्रंश भाषा का प्रमुख कवि है :

अवभंस-भासाए पमुहो कवी अत्थि :

(A) कुंदकुंद आचार्य

(B) समंतभद्र

(C) पुष्पदंत

(D) हरिभद्र

6. 'श' is generally used in this Prakrit language :

'श' प्रायः इस प्राकृत में प्रयुक्त होता है :

'श' पायेण इमीए पाइय-भासाए पजुत्तं :

(A) अर्धमागधी

(B) पैशाची

(C) मागधी

(D) शौरसेनी

7. Medial Consonant 'त' usually becomes 'द' in this Prakrit language :

प्राय: इस प्राकृत में स्वरमध्य 'त', 'द' होता है :

सर-मज्झे ठिंद 'त' पायेण इमीए पाइय-भासाए 'द' हवइ :

(A) शौरसेनी

(B) मागधी

(C) अर्धमागधी

(D) अपभ्रंश

8. The word 'कमल' usually becomes 'कवल' in this language :

'कमल' शब्द प्राय: इस भाषा में 'कवल' होता है :

'कमल' सद्दं पायेण इमीए भासाए 'कवल' हवइ :

(A) महाराष्ट्री

(B) मागधी

(C) अर्धमागधी

(D) अपभ्रंश

9. The word 'मदन' becomes 'मतन' in this Prakrit language :

'मदन' शब्द इस प्राकृत भाषा में 'मतन' होता है :

'मदन' सद्दं इमीए पाइय-भासाए 'मतन' हवइ :

(A) चूलिका पैशाची

(B) महाराष्ट्री

(C) अर्धमागधी

(D) शौरसेनी

10. The word 'मोक्ष' is found as 'मोछ' in this language :

'मोक्ष' शब्द इस भाषा में 'मोछ' होता है :

'मोक्ष' सद्दं इमिए भासाए 'मोछ' हवइ :

(A) अपभ्रंश

(B) अशोक के शिलालेख

(C) महाराष्ट्री

(D) ओड्री

11. Devardhigani Ḳsamāsramaṇa had compiled these Agama texts in written form :

देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण ने इन आगम ग्रन्थों को लिखित रूप में संकलित किया था :

देवद्धिगणि-खमासमणेण इमाणि आगमगंथाणि लिहिदरूवेण संकलिदानि :

(A) पुराण ग्रन्थ

(B) अर्धमागधी ग्रन्थ

(C) शौरसेनी आगम ग्रन्थ

(D) सूत्र ग्रन्थ

12. The first Adhyayana of the Uttarādhyayana Sūtra is :

उत्तराध्ययन सूत्र का प्रथम अध्ययन है :

उत्तरज्झयणसुत्त-गंथस्स पढमो अज्झमणं अत्थि :

(A) णमिपविज्जा

(B) विनय

(C) उपधान

(D) मल्लि

13. The Kaṣāyapāhuda is composed by :

कषायपाहुड के रचयिता का नाम है :

कसायपाहुड-गंथस्स रयणागारो अत्थि :

(A) पुष्पदन्त

(B) कुन्दकुन्द

(C) यतिवृषभ

(D) गुणधर

14. The Ācāraṅgasūtra belongs to this category of Agama texts :

आचारांगसूत्र आगम ग्रन्थों की इस श्रेणी का ग्रन्थ है :

आचारंगसुत्तं आगम-गंथाण इमीए सेणीए गंथं अत्थि :

(A) उपांग

(B) अंग

(C) मूलसूत्र

(D) प्रकीर्णक

15. The 'Niyamasāra' deals with :

'नियमसार' इसका कथन करता है :

'णियमसारो' इदं विसयं पगडयदि :

(A) कर्मसिद्धान्त

(B) कानूनी नियम

(C) मुनि आचार

(D) अर्थनीति

16. The 'Leelavaikaha' generally belongs to this category :
'लीलावईकहा' प्राय: इस श्रेणी का ग्रन्थ है :
'लीलावईकहा' पायेण इमीए सेणीए गंथं अत्थि :
(A) महाकाव्य
(B) मुक्तककाव्य
(C) आगमग्रन्थ
(D) नाटक

17. Vimalasūri is the author of :
विमलसूरी इस ग्रन्थ के लेखक हैं :
विमलसूरी अस्स गंथस्स कत्तारो अत्थि :
(A) सेतुबन्ध
(B) कुवलयमालाकहा
(C) कंसवहो
(D) पउमचरियं

18. Read the units I and II for correct match :
प्रथम और द्वितीय इकाइयों को सही मिलान के लिए पढ़िए :
पढम-वीय-खंडाण विसयं सुट्ठु मेलणत्थं पढ :

	I		II
(a)	उद्द्योतनसूरि	(i)	वज्जालग्गं
(b)	जयवल्लभ	(ii)	कंसवहो
(c)	वाक्पतिराज	(iii)	गडुवहो
(d)	रामपाणिवाद	(iv)	कुवलयमालाकहा

Identify the correct match :
सही मिलान की पहिचान कीजिए :
सुट्ठुमेलणं णादूण उत्तरं लिह :
(A) (d) + (i)
(B) (c) + (iii)
(C) (b) + (ii)
(D) (a) + (ii)

19. The subject matter of 'Setubandha' is :

'सेतुबन्ध' की विषयवस्तु है :

'सेतुबन्ध' - महाकव्वस्स विसयवत्थुं अत्थि :

(A) कृष्णकथा

(B) रामकथा

(C) नीतिशास्त्र

(D) कर्म-सिद्धान्त

20. Ācārya Haribhadrasūri belongs to this period :

आचार्य हरिभद्रसूरि इस शताब्दी के लेखक हैं :

आचरिय-हरिभद्दसूरी इमीए सदीए गंथगारो अत्थि :

(A) आठवीं ई.

(B) नवीं ई.

(C) चतुर्थ ई.

(D) पंचम ई.

21. The author of Svapnavāsavadatta is :

स्वप्नवासवदत्तं के रचयिता है :

'स्वप्नवासवदत्तं' - गंथस्स रचणागारो अत्थि :

(A) कालिदास

(B) शूद्रक

(C) स्वयम्भू

(D) भास

22. The Prākṛta used profusely in the Mṛcchakaṭika is :

मृच्छकटिक में प्रायश: इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है :

'मृच्छकटिकं' गंथे पायेण इमीए पाइयभासाए पयोगं अत्थि :

(A) अर्धमागधी

(B) मागधी

(C) पैशाची

(D) शौरसेनी

23. Śakāra occurs as a character in :

एक पात्र के रूप में शकार इस ग्रन्थ में आता है :

'शकार' इमस्स गंथस्स अहिणयकत्तो अत्थि :

(A) कर्पूरमञ्जरी

(B) अभिज्ञानशाकुन्तल

(C) प्रतिमानाटक

(D) मृच्छकटिक

24. The author of Karpūramañjarī is :

कर्पूरमञ्जरी के रचयिता हैं :

'कर्पूरमंजरी' सट्टकस्स रचणागारो अत्थि :

(A) राजशेखर

(B) भास

(C) क्षेमेन्द्र

(D) शूद्रक

25. Vasantasenā in Mṛcchakaṭika is :

मृच्छकटिक में वसन्तसेना है :

'मृच्छकटिकं'-गंथे वसन्तसेना इमारूवा अत्थि :

(A) दासी

(B) गणिका-नायिका

(C) महारानी

(D) शकारपत्नी

26. The Hathīgumphā Rock Edict was inscribed by :

हाथीगुम्फा शिलालेख इन्होंने उत्कीर्ण कराया था :

'हाथीगुंफा'-सिलालेहं इमिणा णिवेण उक्किण्णं :

(A) चन्द्रगुप्त-मौर्य

(B) अशोक

(C) बिन्दुसार

(D) खारवेल

27. The period of Khāravela is :

खारवेल का समय है :

खारवेल-णिवस्स ठिदिकालं अत्थि :

(A) द्वितीय शताब्दी ई.पू.

(B) तृतीय शताब्दी ई.सन्

(C) चतुर्थ शताब्दी ई.सन्

(D) द्वितीय शताब्दी ई.सन्

28. This Prākṛta has generally been used in the Hathīguṁphā Rock Edict :

हाथीगुम्फा शिलालेख में मुख्यत: इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है :

हाथीगुंफा-सिलालेहे पमुहरूवेण इमा पाइयभासा पजुत्ता :

(A) महाराष्ट्री

(B) मागधी

(C) शौरसेनी

(D) पैशाची

29. This Prākṛta has been generally used in the Girnar Rock Edicts :

गिरनार शिलालेखों में सामान्यत: इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है :

गिरिनार-सिलालेहेसु पमुहरूवेण इमा पाइय-भासा पजुत्ता :

(A) शौरसेनी

(B) महाराष्ट्री

(C) पैशाची

(D) मागधी

30. The number of Girnar Edicts is :

गिरनार शिलालेखों की सङ्ख्या है :

गिरिनार-सिलालेहाण कुलसंखा अत्थि :

(A) सोलह

(B) पन्द्रह

(C) बारह

(D) चौदह

31. Chief work of the Prakrit metrics is :

प्राकृत छन्द:शास्त्र का मुख्य ग्रन्थ है :

पाइय-छंदसत्थस्स पमुहं गंथं अत्थि :

(A) गाथासत्तसई

(B) प्राकृत पैङ्गलं

(C) कविदर्पण

(D) कुमारपालचरित

32. The subject matter of अलङ्कारदप्पण is :

अलङ्कारदप्पण की विषयवस्तु है :

अलंकार-दप्पण-गंथस्स विषयवत्थुं अत्थि :

(A) काव्य

(B) नाट्य-शास्त्र

(C) कोशविज्ञान

(D) छन्द:शास्त्र

33. The author of Vṛttajātisamuccaya is :

वृत्तजातिसमुच्चय के रचयिता हैं :

'वृत्तजातिसमुच्चय' - गंथस्स रचणागारो अत्थि :

(A) विरहांक

(B) मार्कण्डेय

(C) वररुचि

(D) नन्दिताढ्य

34. The author of Desīnāmamālā is :
देसीनाममाला के रचयिता हैं :
'देसीनाममाला' - गंथस्स रचणागारो अत्थि :
(A) कुन्दकुन्द (B) मार्कण्डेय
(C) हेमचन्द्र (D) सिद्धसेनदिवाकर

35. The author of काव्यानुशासन is :
काव्यानुशासन के रचयिता हैं :
'काव्यानुशासन' - गंथस्स लेहगो अत्थि :
(A) मम्मट (B) दण्डी (C) हेमचन्द्राचार्य (D) मार्कण्डेय

36. In Prakrit, the word 'औषध' changes into :
प्राकृत में 'औषध' शब्द का परिवर्तन इस रूप में होता है :
पाइय-भासाए 'औषध' सद्दस्स परिवत्तणं इमम्मि रूवे हवइ :
(A) ओषध (B) औसध (C) ओसह (D) औहह

37. In Prakrit, the word 'रजक' changes into :
प्राकृत में 'रजक' शब्द इस रूप में परिवर्तित होता है :
पाइय-भासाए 'रजक' - सद्दस्स परिवत्तणं इमम्मि रूवे हवइ :
(A) राजक (B) रचक (C) रयय (D) रोचक

38. The consonant 'ज' of the word 'जमुना' changes into 'य' in Prakrit is called :
प्राकृत में जमुना शब्द का 'ज' व्यंजन 'य' रूपधारण करता है। इस परिवर्तन को कहते हैं :
पाइय भासाए 'जमुना'-सद्दस्स 'ज' विंजनं 'य' रूवे परिवत्तणं लहदि। इमं परिवत्तणं कधयदि :
(A) वश्रुति (B) यश्रुति (C) स्वरभक्ति (D) समीकरण

39. The form 'रामेसु' of the word 'राम' is the example of :
'राम' शब्द का 'रामेसु' रूप इसका उदाहरण है :
'राम'-सद्दस्स 'रामेसु' रूवं इमस्स उदाहरणं अत्थि :
(A) पंचमी एकवचन (B) तृतीया बहुवचन (C) सप्तमी बहुवचन (D) षष्ठी एकवचन

40. The form 'गच्छिदूण' is the example of :

'गच्छिदूण' रूप इस का उदाहरण है :

'गच्छिदूण' - रूवं इमस्स उदाहरणं अत्थि :

(A) संबंध कृदंत (B) हेत्वर्थ कृदंत (C) स्वर-परिवर्तन (D) यश्रुति

41. The subject matter of 'Satthapariṇṇā' chapter of Ācārāṅgasūtra is :

आचारांगसूत्र के 'सत्थपरिण्णा' अध्ययन का विषय है :

आचारंगसुत्तस्स 'सत्थपरिण्णा' अज्झयणस्स विसयवस्थु अत्थि :

(A) अहिंसा (B) शस्त्रज्ञान (C) सार्थ प्रयाण (D) लोकस्वरूप

42. The Uttarajjhayayaṇasutta represents this type of Agama texts :

उत्तराध्ययनसूत्र आगम ग्रन्थों की इस श्रेणी को प्रतिनिधित्व करता है :

उत्तरज्झयणसुत्तं अद्धमागही-आगम-गंथाण इमीए सेणीए गंथं अत्थि :

(A) मूलसूत्र (B) अंगसूत्र (C) उपांगसूत्र (D) कथासूत्र

43. The first chapter of 'Pravacanasāra' deals with :

प्रवचनसार का प्रथम अधिकार इस विषय का कथन करता है :

पवयणसारस्स पढम-अहिगारो इदं विसयं कधयदि :

(A) द्रव्यस्वरूप (B) श्रमणचर्या (C) ज्ञान-स्वरूप (D) लोकस्वरूप

44. The author of 'Sanmatitarkprakarana' is :

'सन्मतितर्कप्रकरण' के लेखक हैं :

'सन्मतितर्कप्रकरण' - गंथस्स लेहगो अत्थि :

(A) वीरसेन (B) समन्तभद्र (C) यशोविजय (D) सिद्धसेन

45. The subject matter of 'Dravyasangrah' is :

'द्रव्यसंग्रह' की विषयवस्तु है :

दव्वसंगह-गंथस्स विसयवत्थु अत्थि :

(A) द्रव्यों का संग्रह (B) कर्म-विवेचन

(C) ज्ञानविवेचन (D) जीव पुद्गलविवेचन

46. The nature of the personality of the 'Vidūṣaka-Maitreya' in Mṛcchakaṭikaṃ is :
मृच्छकटिकं में 'विदूषक मैत्रेय' के व्यक्तित्व का स्वभाव है :
मृच्छकटिकं-गंथे विदूसअ-मेतरेय-पत्तस्स सहावो अत्थि :
(A) डरपोंकपना (B) बहादुरी (C) विश्वासघात (D) दानशीलता

47. The 'Setubandha' is also known as :
'सेतुबन्ध' इस नाम से भी जाना जाता है :
'सेतुबंध'-गंथो इमिणा अवर-णामेण वि पसिद्धो :
(A) रावणवहो (B) गउडवहो (C) कंसवहो (D) कण्हचरियं

48. The 'Karpooramanjari' represents this type of Prakrit texts :
'कर्पूरमंजरी' प्राकृत ग्रन्थों की इस विधा का प्रतिनिधित्व करती है :
'कर्पूरमंजरी'-गंथो पाइय-गंथाण इमीए सेणीए पइणिधित्तं करइ :
(A) प्रकरण (B) सट्टक (C) नाटक (D) प्रहसन

49. The 'Kuvalayamālākahā' text is edited by :
'कुवलयमालाकहा' ग्रन्थ इनके द्वारा सम्पादित है :
'कुवलयमालाकहा'-गंथं अणेण संपादिदं :
(A) डॉ. हीरालाल जैन (B) पं. दलसुखभाई
(C) डॉ. ए.एन. उपाध्ये (D) डॉ. एच.सी. भायाणी

50. The 'Nāyakumarcariu' is written in this language :
'णायकुमारचरिउ' इस भाषा में लिखा गया है :
'णायकुमारचरिउ' - गंथं इमीए भासाए लिहिदं :
(A) प्राकृत (B) संस्कृत (C) अर्धमागधी (D) अपभ्रंश

- o O o -

Space For Rough Work